ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.
नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 14-07-2026

सोलान(हिमाचल प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-14 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-07-15	2026-07-16	2026-07-17	2026-07-18	2026-07-19
वर्षा (मिमी)	1.0	1.0	1.0	2.0	6.0
अधिकतम तापमान(से.)	31.0	31.0	32.0	31.0	29.0
न्यूनतम तापमान(से.)	19.0	20.0	21.0	21.0	21.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	80	70	70	75	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	40	50	55
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	4	4	3	2	4
पवन दिशा (डिग्री)	292	306	302	270	236
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	4	5	7
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

अगले पाँच दिनों के दौरान जिले में मौसम परिवर्तनशील बना रहेगा। 14 से 18 जुलाई तक जिले के कुछ स्थानों पर हल्की वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.0–32.0°C तथा 19.0–21.0°C के बीच रहने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम दिशा से 2.0–4.0 किमी प्रति घंटा की गति से हवा चलने की संभावना है। सापेक्षिक आर्द्रता 40–80 प्रतिशत के बीच रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

जिले के लिए किसी भी प्रकार की मौसम चेतावनी जारी नहीं की गई है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

किसानों को खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल की सुरक्षित निकासी हेतु उचित जल निकास (ड्रेनेज) नालियाँ बनानी चाहिए तथा मृदा अपरदन रोकने के लिए घासयुक्त जल निकास मार्ग (Grassed Waterways) बनाए रखने चाहिए। भारी वर्षा के दौरान नदियों, नालों एवं जलभराव वाले निचले क्षेत्रों से दूर रहें।

सामान्य सलाहकार:

□ भारी वर्षा के दौरान नदियों, नालों एवं निचले क्षेत्रों से दूर रहें, क्योंकि जलस्तर अचानक बढ़ सकता है। □ सभी फसलों में सिंचाई कार्य फिलहाल स्थगित रखें। □ वर्षा जल के संग्रहण एवं सुरक्षित भंडारण की उचित व्यवस्था करें। □ खेतों में जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी नालियों की व्यवस्था करें। □ खरपतवारों की

नियमित निकासी कर फसलों में वायु संचार बनाए रखें। कीट-ग्रसित फलों एवं प्रभावित टहनियों/प्ररोहों की नियमित रूप से हाथ से तुड़ाई कर उनका सुरक्षित निपटान करें।

लघु संदेश सलाहकार:

स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी जानकारी प्राप्त करने हेतु Meghdoot App का उपयोग करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मक्का	खेत में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें, क्योंकि जलभराव से मक्का की नवोदित फसल को गंभीर नुकसान हो सकता है।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	• वर्षा की स्थिति में बगीचों में पानी के ठहराव से बचने के लिए सेब के बागों में उचित जल निकासी (ड्रेनेज) की व्यवस्था करें। • आगामी दिनों में बढ़ी हुई सापेक्षिक आर्द्रता (Relative Humidity) के कारण सेब में स्कैब (Scab) तथा अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा (Alternaria Leaf Spot) रोग के विकसित होने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए किसान इन रोगों की नियमित निगरानी करें। • लगातार बादल छाए रहने, वर्षा तथा अधिक सापेक्षिक आर्द्रता के कारण इस अवधि में कीटनाशकों या फफूंदनाशकों का छिड़काव न करें। इसके स्थान निचली शाखाओं की छंटाई (Selective Pruning) करें, जिससे बगीचे में वायु संचार बेहतर होगा तथा स्कैब एवं अल्टरनेरिया पत्ती धब्बा रोग के प्रकोप का जोखिम कम होगा।
टमाटर	टमाटर की फसल में पौधों को उचित सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें, जिससे पौधों के गिरने की संभावना कम हो, वायु संचार बेहतर हो तथा फल की उपज एवं गुणवत्ता में वृद्धि हो। मृदा जनित रोगों के प्रकोप को कम करने हेतु पौधों की निचली पत्तियों को भूमि सतह से 10–15 सेमी ऊँचाई तक हटा दें। खेत में जलभराव से बचाव हेतु उचित निकास (ड्रेनेज) नालियों की व्यवस्था करें।
शिमला मिर्च	फसल में सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा (Cercospora Leaf Spot) रोग की नियमित निगरानी करें, जिसके लक्षण पत्तियों पर सफेद केंद्र एवं लाल-भूरे किनारों वाले धब्बों के रूप में दिखाई देते हैं। रोग के प्रसार को रोकने के लिए खेत में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें तथा संक्रमित पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	मानसून के दौरान खुरपका-मुंहपका (Foot and Mouth Disease–FMD) एवं ब्लैक क्वार्टर (Black Quarter–B.Q.) जैसी संक्रामक बीमारियों की संभावना को देखते हुए पशुपालकों को अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने की सलाह दी जाती है।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
पौध - संरक्षण	प्राकृतिक खेती करने वाले किसान साफ मौसम की स्थिति के दौरान अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क का साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत और जीवामृत का नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत का छिड़काव करके कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। पौधों के चारों ओर सूखी पत्तियों जैसी जैविक मल्च का उपयोग करें, जिससे मिट्टी में नमी संरक्षित रहे और खरपतवारों की वृद्धि पर नियंत्रण किया जा सके।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

 जलभराव, मिट्टी का कटाव, फफूंदजनित रोगों तथा खड़ी फसलों के गिरने (लॉजिंग) का खतरा बना रह सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

किसानों को खेतों में अतिरिक्त वर्षा जल की सुरक्षित निकासी हेतु उचित जल निकास (ड्रेनेज) नालियाँ बनानी चाहिए तथा मृदा अपरदन रोकने के लिए घासयुक्त जल निकास मार्ग (Grassed Waterways) बनाए रखने चाहिए। भारी वर्षा के दौरान नदियों, नालों एवं जलभराव वाले निचले क्षेत्रों से दूर रहें।

Farmers are advised to download Unified ‘Mausam’ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details